शैक्षणिक संवर्धन गतिविधियाँ

ज्ञान की सार्थकता जीवन को सजग, सतर्क और सुंदर रीति से जीने में है जिसमें मूल्यों के समागम के साथ कर्मऋ शक्ति का जुड़ाव हो। राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय की सभी फैकल्टीज का समर्पित प्रयास यही रहता है की विषय के ज्ञान के साथ छात्राओं का नवीनतम शोध आदि से परिचय करा सकें , वे वर्तमान राष्ट्रीय 'अंतरराष्ट्रीय जगत के नवीनतम ज्ञान से परिचित हों, साथ ही इसी परिवेश में उत्पन्न नई चुनौतियों को खुली आंखों से जांच परख कर अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकें । इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सत्र 2022–23 में विभिन्न समितियों द्वारा छात्राओं एवं संकाय सदस्यों , सभी के लिए उपयोगी विभिन्न महत्वपूर्ण शैक्षणिक संवर्धन गतिविधियां आयोजित की गईं –

दिनांक 21.09.2022 –महाविद्यालय के योजना मंच द्वारा इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के सहयोग से वित्तीय जागरूकता एवं आर्थिक धोखाधड़ी विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता श्री उमेश पाटिल, वरिष्ठ शाखा प्रबंधक इंडिया पोस्ट पैमेंटस बैंक, उदयपुर द्वारा छात्राओ को विभिन्न प्रकार की ऑनलाईन एवं वित्तीय धोखाधड़ी के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने लॉटरी तथा नौकरी के जाली अवसर, विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आदि द्वारा होने वाली धोखाधड़ी के बारे में बताया। अतिथियों का आभार योजना मंच सदस्या डॉ. इन्दु अरोड़ा ने किया।

दिनांक 20.11.2022 – महाविद्यालय में मीरा विज्ञान एवं आध्यात्मिक क्लब व हार्ट फुल मेडिटेशन संस्थान उदयपुर के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय हार्ट फुल मेडिटेशन कार्य शाला आयोजित की गई। कार्य शाला में डॉ. रीटा नागपाल, डॉ. अजंली आनंद एवं आशा शर्मा के द्वारा तीन दिन तक ध्यान के बारे मे बताया। प्रभारी विनीता कोठारी ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य छात्राओं को पढाई के साथ– साथ तनाव मुक्त करना है जिससे वे अपने जीवन मे खुशी के साथ आगे बढ़े। डॉ. रीटा नागपाल ने बताया कि हार्ट फुल ध्यान एक ऐसी जीवन चर्या है जो हमें आंतरिक भावनाओं और प्रेरणा से मार्गदर्शन पाना सिखाती है।

दिनांक 02 दिसम्बर 2023 – महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा 'मनोविज्ञान द्वारा जीवन सुगम बनाएं' विषय पर एक दिवसीय कार्य शाला का आयोजन किया गया। कार्य शाला की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मीना बया ने जीवन जीने के लिए मनोविज्ञान की समझ को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने अध्ययन मे संलग्न रहकर सफलता एवं खुशहाली प्राप्त करने के लिए कई तरीको पर चर्चा की।

प्रशिक्षण सत्र मे कार्य शाला के मुख्य वक्ता डॉ. महावीर जैन वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक ने बताया कि मनोविज्ञान में कुछ सही या गलत नहीं होता। सही एवं गलत व्यक्ति के प्रत्यक्षीकरण पर निर्भर करता है। जीवन को सुगम बनाने के लिए स्वयं को जानना अधिक आवश्यक है।

कार्य शाला की दूसरी वक्ता सुश्री विभा जैन ने बताया कि व्यक्ति स्वयं को जल की तरह रखकर जीवन को सरल बना सकते है। कार्य शाला में डॉ. कीर्ति परमार, डॉ. रूकमणी राधास्वामी, सुश्री लक्ष्मी कुमावत, श्री हेमंत सालवी एवं श्री आलोक चौधरी ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

दिनांक 17 दिसम्बर 2023 – महाविद्यालय के बैंकिंग एवं अर्थशास्त्र विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ. मीना बया की अध्यक्षता में तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। अंतिम दिन एम प्रोफेशनल एज्यूकेशन लर्निंग के निदेशक श्री तरूण टांक व श्री निखिल मेनारिया ने विद्यार्थियों का मॉक इन्टंरव्यू लिया तथा इन्टरव्यू के सही तरीकों से परिचित कराया। क्रियात्मक स्रोत के माध्यम से विद्यार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग के अन्तर्गत विभिन्न कार्यों के लिए आवश्यक ई–मेल और प्रोफेशनल पावरपॉईंट एवं ग्राफिक्स बनाना सिखाया और बैंकिंग क्षैत्र की सेवाओं के लिए मार्ग दर्शन प्रदान किया।

दिनांक : 17 जनवरी 2023 – महाविद्यालय की कॉमर्स लैब में वाणिज्य संकाय की छात्राओं के लिए आई. सी.ए.आई. द्वारा 'निगमित अंकेक्षण मानक' विषय पर एक विशेष व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता ए.बी.एस.टी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. स्नेहा बाबेल ने छात्राओं को भारत में अंकेक्षण मानक निर्गमित होने की प्रक्रिया, अंकेक्षण, आश्वासन मानक मंडल की कार्यप्रणाली के अंतर्गत जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. मीना बया ने अंकेक्षण मानकों की समसामयिकता व महत्ता पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय की कॉमर्स लैब में वाणिज्य छात्राओं हेतु 'प्राइड ऑफ इंडिया : इंडियन एंटरप्रेन्योर्स' विषय पर आई.सी.टी.टी. तकनीक का प्रयोग करते हुए एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान की मुख्य वक्ता व्यावसायिक प्रशासन विभाग की अध्यक्ष डॉ. इंदु अरोड़ा रहीं। इस व्याख्यान द्वारा छात्राओं को विभिन्न सफल भारतीय उद्यमियों की सफल व्यावसायिक जीवन यात्रा के पीछे के संघर्ष तथा कभी रूककर हार ना मानने, आत्मविश्लेषण कर स्वयं मे सुधार लाकर आगे बढ़ने के गुणों के बारे में बताया।

दिनांक 19 जनवरी 2023 –राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर में रिसर्च एवं डवलपमेंट सेल के तत्वावधान में 'प्रोसिजर एंड पॉलिसी इन रिसर्च' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम सत्र में डॉ. नीरज शर्मा, डीन पी.जी एवं अध्यक्ष (संस्कृत विभाग) मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर ने नई शिक्षा नीति के तहत शोध प्रकिया मे आए बदलावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। सेमीनार के दूसरे सत्र मे डॉ. रितेश पुरोहित, सहआचार्य, भूगर्भ विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर ने रिसर्च रिपोर्ट राईटिंग और रिसर्च पेपर पर अपनी पावर पाइंट प्रस्तुती दी। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ. मीना बया ने कहा कि शोध की गुणवत्ता के लिए अध्यापक और विद्यार्थी दोनो तत्पर रहे। इस अवसर पर रिसर्च एण्ड डवलपमेंट सेल प्रभारी डॉ. कानन सक्सेना महाविद्यालय के सकांय सदस्य और शोधार्थी उपस्थित रहे।

दिनांक 17 जनवरी 2023– महाविद्यालय में चित्रकला विभाग के चित्रकला परिषद द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिवस वरिष्ठ चित्रकार आर. के शर्मा द्वारा 'पोट्रेट

का डेमोस्ट्रेशन' जल रंगों के माध्यम से दिया गया। कार्यशाला में छात्राओं को पोट्रेट की तकनीकि एवं रंग संबधी विभिन्न बारीकियों को जानने का अवसर मिला। इस अवसर पर प्राचार्य मीना बया ने छात्राओं को रचनात्मक कार्य के प्रति रूचि चित्रण के विभिन्न प्रकार एवं 'कला का जीवन में महत्व' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्य शाला के दूसरे दिन विषय विशेषज्ञ डॉ. पूर्णाशंकर मीणा द्वारा लाईफ स्टडी का डेमोंस्ट्रेशन दिया गया। कला के विभागाध्यक्ष डॉ. दीपक भारद्वाज ने कार्यशाला की रूपरेखा को प्रस्तुत करते हुए भविष्य में भी ऐसी कार्यशाला में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर चित्रकला विभाग के संकाय सदस्य डॉ. कहानी भाणावत, डॉ. मनीषा चौबीसा, डॉ. रामसिंह भाटी एवं श्रीमती पुष्पा मीणा ने अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यशाला के कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. दीपक सालवी ने किया।

दिनांक 24 जनवरी 2023 – विश्व बालिका दिवस के अवसर पर महाविद्यालय, प्राचार्य डॉ. मीना बया की अध्यक्षता में स्वास्थ्य समिति, उन्नत भारत अभियान एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनो ईकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में 'मासिक धर्म स्वास्थ्य' विषय पर परिचर्चा एवं व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पंडित मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. दीक्षा खराड़िया ने मासिक धर्म की सामान्य समस्याओं एवं उनके उपचार के बारं मे पावरपाइंट प्रेजेटेंशन के द्वारा समझाया। उन्होंने बताया कि इस समय तेल मालिश, गरम पानी, पौष्टिक भोजन एवं नियमित स्नान से आराम मिलता है। साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं– सेविकाओं ने नशा मुक्ति विषय पर जागरूकता लाने के लिए पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया और स्वयं सेविकाओं ने इस प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अपर्णा कुमावत तथा धन्यावाद ज्ञापन डॉ. सुनीता आर्य ने किया।

दिनांक 2 फरवरी 2023 – डिजिटल एरा में आधुनिकतम तकनीक के बदलाव, शौक और समय की मांग कों देखते हुए मोबाइल, कैमरा फोटोग्राफी के दिनोदिन बढ़ते उपयोग और युवाओं को इस विधा की रोजगार परक जानकारी प्रदान करने के प्रयोजन से मीरा कन्या महाविद्यालय में मोबाइल, फोटोग्राफी कार्यशाला आयोजित हुई। एलुमिनी मीरा सोसायटी सचिव डॉ. सविता चाहर ने बताया कि फोटो पत्रकार राकेश शर्मा 'राजदीप' ने कॉलेज छात्राओं संग लाइट, एंगल, सब्जेक्ट, कम्पोजिशन और टेकनीक पर अपने अनुभव साझा किये। साथ ही उन्होंने मोबाइल कैमरा फोटोग्राफी से शौक जिंदा रखते हुए देश–दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने और रोजगार गारंटी के महत्वपूर्ण सूत्र भी बताए। समापन से पूर्व मोबाइल कैमरे से क्लिक किये गए 10 बेस्ट फोटोग्राफ्स को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मीना बया सहित एलुमिनी मीरा कोर कमेटी सदस्य और कई संकाय सदस्य उपस्थित रहे संचालन डॉ. स्नेहा बाबेल ने किया।

दिनांक 24 जनवरी 2023 – राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय उदयपुर के बैंकिंग एवं व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग द्वारा कॉमर्स लैब में 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस एवं इंटरनेट का उपयोग' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला मे एम प्रोफेशनल एजुकेशन लर्निंग के निदेशक तरूण टांक एवं निखिल मेनारिया द्वारा विद्यार्थियों को माइक्रोसॉफ्ट एवं इन्टरनेट के व्यावहारिक तकनीकि पहलुओं से अवगत कराया तथा तकनीकी बारीकियों को समझाया इसके साथ ही विद्यार्थियों को कम्प्यूटर पर स्वयं तकनीकी प्रेक्टिस भी कराई गई।

प्राचार्य डॉ. मीना बया ने बताया कि ऐसी कार्यशालाओं के माध्यम से छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की राह प्रशस्त होगी तथा वे आत्म विश्वास के साथ जीवन पथ की चुनौती का सामना कर पाएंगी।

इस अवसर पर संयोजक डॉ. यदुराव, आयोजन सचिव डॉ. मन्जु खत्री, डॉ. भावना हीगड़, डॉ. वंदना मेघवाल, डॉ. साक्षी चौहान, डॉ. स्नेहा बाबेल, डॉ. नम्रता यादव, किरण मीणा उपस्थित रहे।

दिनांक 3 फरवरी 2023 – महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. मीना बया की अध्यक्षता में मीरा विज्ञान एवं आध्यात्मिक केन्द्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों एवं महाराणा राजसिंह शिक्षण समिति, राजसमंद के संयुक्त तत्वावधान में प्रतिभावान छात्राओं का सम्मान तथा 'स्वावलंबी भारत के निर्माण में छात्राओं की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम अध्यक्ष, प्राचार्य डॉ. मीना बया ने बताया कि छात्राओं को अपने कौशल को उद्यमिता मे परिवर्तित कर स्वावलंबी बनना चहिए। मुख्य वक्ता डॉ. रचना तेलंग, अध्यक्ष महाराणा राजसिंह शिक्षण समिति, राजसमंद ने कहा कि हमारे देश में लोकल, वोकल और कौशल कार्यक्रम संचालित हैं और हमारी युवाशक्ति, श्रम और उपलब्ध साधनों का सदुपयोग कर स्वावलंबी बन सकती है मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय, डूंगरपुर डॉ. निर्मल गर्ग ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें लक्ष्य को पहचान कर, रुचि एवं प्रतिभा को विकसित करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन मीरा विज्ञान एवं आध्यात्मिक केन्द्र प्रभारी डॉ. विनीता कोठारी तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. स्नेहा बाबेल द्वारा किया गया।

दिनांक 4 फरवरी 2023 – महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र के स्नातकोत्तर परिषद के तत्वावधान में 4–02–2023 को विभागाध्यक्ष डॉ. सविता चाहर, परिषद प्रभारी डॉ. गीतास्वामी, डॉ. अनामिका सिंघवी, डॉ. नसरीन बानो, डॉ. किरण टाक, डॉ. वर्तिका जैन, डॉ. अमीश देव सिंह एवं डॉ. जितेंद्र सिंह राठौड के नेतृत्व में जैव विविधता पार्क, अंबेरी, उदयपुर (राज.) का शैक्षणिक भ्रमण किया। यहा पर छात्राओं ने विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों जैसे शैवाल, कवक, बायोफाइट्स, टेरिफाइट्स एवं आवृतबीजी पादपों का अध्ययन किया। छात्राओं ने जलीय पौधों की प्रजातियों के साथ ही पतझड़ी वृक्षों की जानकारी प्राप्त की। 400 से 500 वर्ष पुराने महुआ तथा बरगद के वृक्ष भी छात्राओं के लिए आकर्षण का केंन्द्र रहें। बांस में फूलों का खिलना जो कि बांस के जीवन चक्र में एक बार होता है को भी यहां पर, छात्राओं ने देखा। जैव विविधता पार्क मे छात्राओं ने लुप्त होती हुई प्रजातियों जैसे गुग्गल झाडी को भी संरक्षित रूप में देखा। वनस्पतियों के साथ– साथ छात्राओं ने बटरफ्लाई उद्यान का भी अवलोकन किया।

दिनांक 10 फरवरी 2023 – महाविद्यालय में आई. पी. आर. सेल, रिसर्च एवं डवलपमेंट सेल तथा सी. एस. आई. आर– एन. सी. एल. एवं इंडियन पेटेंट ऑफिस, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में 'बौद्धिक सम्पदा का बोध एवं उसका महत्व' विषय पर दिनांक 10–02–2023 को राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। प्राचार्य डॉ. मीना बया ने बौद्धिक सम्पदा की जानकारी एवं उपयोग का उच्च शिक्षण संस्थाओं पर प्रभाव' विषय पर प्रकाश डाला। मुख्यवक्ता सी.एस.आई.आर.एन.सी. एल. के प्रमुख वैज्ञानिक एवं बौद्धिक सम्पदा सलाहकार डॉ. नितिन तिवारी ने बौद्धिक सम्पदा के संरक्षण, प्रबंधन एवं विभिन्न प्रकार के बौद्धिक अधिकार जैसे– कॉपीराईट, ट्रेडमार्क, पेटेंट आदि पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. कानन सक्सेना एवम् आर.एन.डी सेल प्रभारी डॉ. कुमुद इण्टोडिया ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नम्रता यादव ने किया।

दिनांक 16 फरवरी 2023 – राजकीय महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.) के तत्वावधान मे 'नई शिक्षा नीति 2020– विजन एंड एक्शन' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया।

प्राचार्य डॉ. मीना बया ने कहा कि भारत की युवाशक्ति को सही दिशा–निर्देश प्रदान करने हेतु नई शिक्षा नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक डॉ. अंजना गौतम ने नई शिक्षा नीति के

क्रियात्मक पक्ष पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षा व्यक्तित्व के विकास हेतु महत्वपूर्ण है। प्रथम तकनीकी सत्र में सावित्री बाई फुले विश्वविद्यालय पुणे से आमंत्रित प्रोफेसर श्रुति तांबे ने नई शिक्षा नीति पर प्रकाश डालते हुए उसकी चुनौतियों पर चर्चा की। द्वितीय तकनीकी सत्र में एम.बी.एम. विश्वविद्यालय, जोधपुर के डॉ. निलिंद कुमार शर्मा ने शिक्षा नीति पर प्रकाश डालते हुए उसके प्रभाव तथा क्रियान्वयन के सन्दर्भ में गहन चर्चा की।

दिनांक 24–25 फरवरी 2023 – राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय के बैंकिग एवं व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम के तहत 24–25 फरवरी को दो दिवसीय बैंकिग के विभिन्न विषयों पर पावर पॉइंट प्रेजेन्टेशन का आयोजन किया गया। जिसके परीक्षक डॉ. राकेश दशोरा, पूर्व प्राचार्य मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शैक्षणिक प्रभारी डॉ. अंजना गौतम द्वारा की गई। उन्होंने रोजगार प्राप्त करने हेतु आवश्यक कौशल विकास प्रशिक्षण एवं नवाचार को आवश्यक बताया।

दिनांक 20 फरवरी 2023 – महाविद्यालय के योजना मंच के तत्वावधान में केंद्रीय व राज्य बजट पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। मंचासीन अतिथियों का स्वागत डॉ. इन्दु अरोड़ा एवं प्रभारी डा. किरण मीणा द्वारा किया गया। योजनामंच के प्रभारी डॉ. अशोक सोनी ने विषय प्रवर्तन करते हुए योजनामंच की वार्षिक गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। मुख्यवक्ता डॉ. शशी सांचीहर, पूर्व प्राचार्य राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय ने केंद्रीय एवं राज्य बजट पर प्रकाश डालते हुए बताया कि केंद्रीय बजट अमृत काल में अमृत पीढ़ी के लिए सप्तऋषि योजनाओं पर केंद्रित होने से भारत के भविष्य निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है। प्राचार्य डॉ. मीना बया ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए दोनो बजट को जन उपयोगी एवं युवाओं को समर्पित बताया।

दिनांक 29.04.2023 – मनोविज्ञान विभाग, राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर एवं एकेडमी ऑफ वेल बीईंग सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 29 अप्रैल 2023 को 'भारतीय परिप्रेक्ष्य में मानसिक स्वास्थ्य एवं खुशहाली' विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. नवीन, प्रोफेसर मनोविज्ञान दिल्ली विश्वविद्यालय ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य एवं खुशहाली के बारे मे पारम्परिक मान्यताएँ पूरे देश मे व्यापक रूप से भिन्न हैं। स्वयं को महत्व देकर, ध्यान योग एवं आत्मिक संलग्नता के विभिन्न तरीकों द्वारा अच्छे स्वास्थ्य एवं खुशहाली को प्राप्त किया जा सकता है। विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ. अजय कुमार चौधरी, प्रोफेसर मनोविज्ञान ने खुशहाली के विभिन्न विषय, स्व स्वीकृति, दूसरे के साथ अच्छे सम्बन्ध, स्वायत्तता, पर्यावरण सजगता, व्यक्तिगत विकास तथा जीवन के उद्देश्य को सुनिश्चित करने पर प्रकाश डाला।

शैक्षणिक शाखा